Governor greets people on Rakshabandhan

Raj Bhawan, Dehradun, 6th August, 2017

Governor Dr.K.K.Paul has greeted the people of the state on the occasion of Rakshabandhan. In his message issued on the eve of the festival, he said that this was occasion to celebrate the love and trust between a brother and a sister and lent strength to the familial and societal bonds.

He said that we should, on this festival, resolve to provide a respectable and safe life to women .”We should make dedicated efforts to enable our sisters and daughters to move forward in life.”

---------0----------

Governor greets people on Sanskrit Day

Governor Dr.K.K.Paul has greeted the people of the state on the occasion of Sanskrit Day which is observed on Shraawan Purnima.

In his message issued on the eve of this occasion, the Governor said that there has been a revered tradition of worshipping Rishis on Shraawan Purnima .In 1969, it was decided to observe Sanskrit Day on Shraawan Shukl Purnima. He said that Sanskrit was one of the oldest languages of the world and other Indian languages had originated from it.“Sanskrit represents our culture and heritage”, he said.

He said that this was not only a religious language .It was a scientific language and in today’s era ,it can be the most suitable for computer programming. The Governor said Sanskrit was a complete language and needs to be conserved and promoted. He said that Sanskrit was known as “Devbhasha” and now needed to made Janbhasha.

---------0----------

Asst. Director, (Information) to Governor, Uttarakhand Mob- 7055007012 Teli fax 0135-2756172

राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पाल ने रक्षाबंधन पर प्रदेशवासियो को बधाई दी

राजभवन देहरादून 06 अगस्त, 2017

राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पाल ने रक्षाबंधन के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा है कि रक्षाबंधन भाई–बहन के आपसी प्यार, स्नेह व विश्वास का त्यौंहार है। रक्षाबंधन पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों को मजबूती प्रदान करने का सांस्कृतिक पर्व है। ''रक्षाबंधन की भावना के अनुसार हमें इस पावन अवसर पर महिलाओं के सम्मानित व सुरक्षित जीवन की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। बहन–बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर व साधन उपलब्ध करवाने के लिए समर्पित होकर प्रयास करें।''

प्रेस विज्ञप्ति–02

राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पाल ने संस्कृत दिवस पर प्रदेशवासियो को शुभकामनाएं दी

राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पाल ने श्रावण पूर्णिमा पर मनाए जाने वाले 'संस्कृत दिवस' पर सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। संस्कृत दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को ऋषि पूजन की परम्परा रही है। सन 1969 से श्रावण पूर्णिमा को संस्कृत दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। संस्कृत, विश्व की प्राचीनतम भाषाओं में से एक है। अन्य भारतीय भाषाओं का उद्भव संस्कृत से ही हुआ है। यह सभी भारतीय भाषाओं को आपस में जोड़ती है। संस्कृत भारतीय संस्कृति की विरासत का प्रतिनिधित्व करती है।

अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि संस्कृत, केवल धार्मिक भाषा ही नहीं है। विभिन्न अध्ययनों में संस्कृत को उसके सुस्पष्ट व्याकरण के कारण, सबसे अधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में माना गया है। आने वाले समय में संस्कृत, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग का सबसे उपयुक्त विकल्प सिद्ध होगी। संस्कृत विश्व की सर्वाधिक पूर्ण भाषा है। उत्तराखण्ड की पहचान देवभूमि के रूप में है। यहां मां गंगा के किनारे सदैव ज्ञान की अविरल धारा प्रवाहित होती रही है। ऐसे में संस्कृत के संरक्षण व प्रोत्साहन में हमारा अधिक महत्वपूर्ण दायित्व है। इसे समझते हुए ही प्रदेश में संस्कृत को आधिकारिक दर्जा दिया गया है। संस्कृत को देवभाषा कहा जाता है, व्यापक प्रचार–प्रसार करते हुए इसे जनभाषा भी बनाए जाने की आवश्यकता है।

.....0.....

Asst. Director, (Information) to Governor, Uttarakhand Mob- 7055007012 Teli fax 0135-2756172